मौखिक प्रश्न उत्तर

Q1. पंडित शादीराम ने कर्ज़ किससे लिया था?

Ans पंडित शादीराम ने कर्ज़ लाला सदानंद से लिया था।

Q2. लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर उन्हें क्या सुझाव दिया?

लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर उन्हें सुझाव दिया कि वे उनमें बढ़िया चित्र छाँटकर अलग कर दें।

लाला जी ने उनकी एल्बम बनवाकर पंडितजी की विज्ञापन देंगे और किसी को वह एल्बम पसंद आ गई तो दो-चार पैसे हाथ में आ जाएँगे।

Q3. शादीराम लाला सदानंद को कितने रुपये देना चाहते थे?

Ans शादीराम लाला सदानन्द को पाँच सौ रुपए देना चाहते थे।

Q4. पंडित शादीराम ने पुरानी पत्रिकाओं चित्र किस प्रकार इकट्ठे किए?

Ans पंडित शादीराम दिनभर बैठकर उन पत्रिकाओं से चित्र छाँटते रहे। शाम होते-होते दो सौ बढ़िया चित्र जमा हो गए।

Q5. इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

Ans इस कहानी के द्वारा हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सामने वाले की परिस्थिती को समझना चाहिए और किसी को कष्ट देने के बजाय उसे उबारने की कोशिश ~~करनी चाहिए~~ करनी चाहिए।

लघुउत्तरीय प्रश्न

Q1/ पंडित शादीराम के लिए एक एक पैसा मोहर जैसा क्यों था?

Ans पंडित शादीराम के लिए एक पैसा भी जमा कर पाना बहुत मुश्किल का काम था। इसलिए उनके लिए एक-एक पैसा मोहर जैसा था,

Q2/ लाला सदानंद का स्वभाव कैसा था?

Ans लाला सदानंद बहुत ही नेकदिल व दयालु व्यक्ति थे वे अपने पुरोहित की आर्थिक विवशता को भलीभाँति जानते थे। इसलिए कभी भी उन्होंने पंडित जी से अपने ऋण की चर्चा तक न की,

Q3/ इस कहानी के लिए अन्य शीर्षक लिखिए,

Ans इस कहानी के लिए अन्य शीर्षक अ~~अनोखा~~

अनोखा यजमान है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Q/ पंडित जी की आँखों में आँसू क्यों आ गए? वे क्या बोले?

Ans पंडित ~~की आँखों में आँसू~~ शादीराम ने एलबम ~~एलबम~~ बेचकर हजार रुपए पाए वे लाला सदानंद के पास पाँच सौ रुपए चुकाने पहुँचे। इस पर सदानंद ने कहा कि वे उनके यजमान है और पंडित जी कि सेवा करना उनका धर्म है। इस पर पंडित जी कि आँखों में आँसू आ गए।

वे बोले कि भगवान उन्हें सुरक्षित रखें, उनके जैसा सज्जन संसार में बहुत कम है इसलिए उन्हें रुपया चुका लेने दें ताकि वह इस बोझ से हल्का हो जाएँ।

Q.2. 'अगर दो हज़ार लिख देता तो शायद उतने ही मिल जाते।' इस कथन से मानस स्वभाव की कौन-सी विशेषता उजागर होती है?

Ans 'अगर दो हज़ार लिख देता तो शायद उतने ही मिल जाते?'-

यह ~~स्वभाव~~ कथन पंक्ति शादीराम का है। इसके माध्यम से मनुष्य की लालची प्रवृत्ति दिखलाई ~~पड़ती~~ पड़ती है। मानव ~~स्वव~~ स्वभाव ~~क~~ही ऐसा है जो प्राप्त होता है उससे ~~और~~ वे अधिक पाने की ~~आशंव~~ आकांक्षा रखते है।

Q.6 पंडित शादीराम ने अपने कर्ज किस प्रकार चुकाया?

Ans लाला सदानंद ने ~~पंडि~~ पंडित जी के चित्रों को एल्बम में सजवाया, इसके बाद स्वयं व्यापारी बनकर उन्हें खरीद लिया। और कलकत्ते ~~से~~ के पते से हजार रुपए भेज दिए, ~~उ~~ इन्हीं ~~२~~ हजार रुपए से पाँच सौ देकर पंडित शादीराम ने अपना कर्ज चुकाया, और इस ऋण से हल्का हो गए।